ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 09-01-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-09 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-01-10	2026-01-11	2026-01-12	2026-01-13	2026-01-14
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	14.0	14.0	14.0	14.0	14.0
न्यूनतम तापमान(से.)	3.0	3.0	3.0	3.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	73	74	74	76
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	40	47	42	43
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	4	6	5
पवन दिशा (डिग्री)	340	300	290	300	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1
चेतावनी	शीत लहर; कोहरा	कोहरा	कोहरा	कोहरा	कोहरा

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (2 से 8 जनवरी) में 0.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 11.6 से 15.8 डिग्री सेल्सियस और 3.3 से 11.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले हफ़्ते ज़्यादातर दिनों में घना कोहरा और ठंडे दिन की स्थिति रही। सुबह 0712 बजे सापेक्षित आद्रता 83 से 100% के बीच रही और शाम 1412 बजे सापेक्षित आद्रता 72 से 93% के बीच रही। हवा की गति 1.8 से 6.0 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज़्यादातर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और उत्तर थी। अगले 5 दिनों के पूर्वानुमान में बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन 9 से 13 जनवरी तक घने कोहरे के साथ शीतलहर की स्थिति रहने की उम्मीद है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14.0 डिग्री सेल्सियस और 3.0 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। हवा 4-6 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-पश्चिम दिशा से चलने की उम्मीद है। अगले हफ़्ते 9 से 13 जनवरी के दौरान कुछ जगहों पर घना कोहरा और शीतलहर की स्थिति रहने की संभावना है, जिसके लिए पीली चेतावनी जारी की गई है। 8 जनवरी के लिए शीतलहर की स्थिति का अनुमान लगाया गया है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

8 जनवरी के लिए शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है और आने वाले हफ़्ते में घना कोहरा छाए रहने की उम्मीद है। आने वाले हफ़्ते में भी सूखी ठंड जारी रहेगी।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों को ठंड से नुकसान हो सकता है, इसलिए तापमान को नियंत्रित करने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए और खेतों में हीटर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। ठंड के प्रति संवेदनशील फसलें, जैसे कि छोटे पौधों को ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए सुरक्षा जाल का प्रयोग करना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से दी जाती है और बिजली गिरने की जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूज़र्स) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली सामान्य से अधिक अधिकतम और सामान्य से कम न्यूनतम तापमान के साथ सूखे रहने का रुझान दिखाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, आने वाले हफ़्ते में शीतलहर और कोहरे की संभावना को देखते हुए पीली चेतावनी जारी की गई है, इसलिए फसलों के लिए हल्की सिंचाई या हीटर का इस्तेमाल करें और छोटे पौधों के लिए सुरक्षात्मक जाल

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और खरपतवार की समस्या से बचने के लिए फसलों में निराई-गुड़ाई का काम जारी रखना चाहिए। पाले से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
मसूर की दाल	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और खरपतवार की समस्या से बचने के लिए फसलों में निराई-गुड़ाई का काम जारी रखना चाहिए। पाले से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
रेपसीड	देर से बोई गई रेपसीड की कटाई पकने पर करनी चाहिए, जबकि सरसों (राई) में फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए। किसी भी रासायनिक उपाय का इस्तेमाल दोपहर के समय करना चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
गेहूँ	देर से बोई गई फसल में खरपतवार उगने पर, हाथ से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए या ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई के साथ-साथ निर्धारित मात्रा के अनुसार रासायनिक नियंत्रण का इस्तेमाल करना चाहिए। जिंक की कमी होने पर फसल के लिए जिंक सल्फेट का छिड़काव (25-35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) की मात्रा से करना चाहिए और बीमारियों के लिए नियमित निगरानी करनी चाहिए। सभी रासायनिक नियंत्रण दोपहर के समय जब पत्तियां सूखी हों, तभी करना चाहिए।
जौ	देर से बोई गई फसल की निगरानी करनी चाहिए और नियमित रूप से खरपतवार निकालने और गुड़ाई का काम करना चाहिए। ज़रूरत के हिसाब से हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	पेड़ी और पतझड़ वाली गन्ने की फसल की निगरानी करनी चाहिए और देर से बने टिल्लरों को काटने जैसे सही खेती के काम करने चाहिए।
बरसीम	फसल काटने के बाद सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की फसल की रोपाई खाद वाले खेतों में जनवरी के मध्य तक पूरी कर देनी चाहिए और ठंड से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए या छोटे पौधों को ठंड से बचाने के लिए सुरक्षा जालों का इस्तेमाल किया जा सकता है।
सब्जी पीईए	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए सिंचाई करनी चाहिए।
टमाटर	फसल की बीमारी फैलाने वाले कीड़ों के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए और नियंत्रण के उपाय इस्तेमाल करने चाहिए। सभी रासायनिक छिड़काव दोपहर के समय किए जाने चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
मिर्च	फसल की बीमारी फैलाने वाले कीड़ों के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए और नियंत्रण के उपाय इस्तेमाल करने चाहिए। सभी रासायनिक छिड़काव दोपहर के समय किए जाने चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
आलू	बचे हुए नाइट्रोजन का इस्तेमाल 30-35 दिनों के अंतराल पर तब करना चाहिए जब फसल में मिट्टी चढ़ाने का काम किया जा रहा हो। आलू में पछेती झुलसा बीमारी को नियंत्रण करने के लिए, सलाह दी जाती है कि मैनकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए पशुशाला का सही इंतज़ाम करना चाहिए। जानवरों को रिंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए वैक्सीनेशन करवाना चाहिए। ज़्यादा ऊर्जा की ज़रूरत के लिए जानवरों का चारा 10% बढ़ा देना चाहिए।
गाय	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए पशुशाला का सही इंतज़ाम करना चाहिए। जानवरों को रिंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए वैक्सीनेशन करवाना चाहिए। ज़्यादा ऊर्जा की ज़रूरत के लिए जानवरों का चारा 10% बढ़ा देना चाहिए।
बकरा	भेड़/बकरियों के डिलीवरी चैंबर को साफ-सुथरा रखें।
भेड़	भेड़/बकरियों के डिलीवरी चैंबर को साफ-सुथरा रखें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फसलों और छोटे पौधों को ठंड से नुकसान।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

हल्की सिंचाई या हीटर का इस्तेमाल करके फसलों की रक्षा करें और छोटे पौधों को सुरक्षा जाल का इस्तेमाल करके बचाया जा सकता है।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details